



Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur
COLLEGE OF COMMUNITY & APPLIED SCIENCES



XXIII Biennial Workshop of All India Coordinated Research Project on H Sc

☎: Office: 2471616 (O), Email: sumanfrm@gmail.com, ucaicrphsc05@gmail.com, website: www.chscudaipur.ac.in

दिनांक : 16.02.2019

Press release

Nutrition and livelihood security techniques need to be commercialized

Udaipur, 19th Feb, 2019, the Valedictory function of XXIII Biennial Workshop of All India Coordinated Research Project on Home Science, was held at College of Community and Applied Sciences, Maharana Pratap Agriculture and Technology University, Udaipur. The Chief guest of the program was Prof. N. S. Rathod, Deputy Director General, (Education), ICAR, New Delhi. Dr.S.K. Srivastava, Director, CIWA, Bhubaneswar, Dr. P.C. Lenka and Dr.Prabini kumar were the special guests of the occasion. In the beginning Prof. Ritu Singhvi Dean of the College welcomed the guests and participants.

Prof. Rathore in his address said that women are the integral part of this era .He appreciated three major aspects of this workshop i.e. quality presentation, good interaction and way forward .He emphasized on working in integrated mode rather than isolated and concentration on empowerment of women.

Guest of Honor Prof. Abhay Kumar Mehta, Director Research remarked that MPUAT Udaipur is having 37 ACRIP units which a thing of proud in itself. There is need for region specific research in AICRP on Home Science besides visibility of technologies is also needed.

Prof. Suman Singh, Organising Secretary of the workshop informed that total five technical sessions related to different areas of Home Science were organized in which technical coordinators of the concerning department presented the research work carried out at different centers of the country. Discussions among the scientists were held regarding way forward for research in Home Science.

Following recommendations emerged out.....

1. There is a need to develop prototype lemon harvester.
2. Saleable technologies need to be identified.

3. For commercialization Validated technologies must be exhibited at national fairs.
4. The existing mobile apps of Extension division, ICAR need to be promoted for used by Farm women.
5. Various IFS models available at ICAR – Indian institute of farming research, Modi nagar can be adopted for region specific Interventions.
6. There is a need to have documentation of ethnic art.
7. There is a need to focus on nutrition security, livelihood security and commercialization of developed products.
8. Reproductive health of tribal people needs to be taken care of.
9. Educational kit should be prepared to combat social issues.

Prof. Suman Singh
Organizing Secretary



Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur
COLLEGE OF COMMUNITY & APPLIED SCIENCES



XXIII Biennial Workshop of All India Coordinated Research Project on H Sc

☎: Office: 2471616 (O), Email: sumanfrm@gmail.com, ucaicrphsc05@gmail.com, website:

www.chscudaipur.ac.in

दिनांक : 15.02.2019

प्रेस-विज्ञप्ति

पोषण व आजीविका सुरक्षा की विकसित तकनीकों के व्यावसायीकरण की आवश्यकता

उदयपुर, 19 फरवरी, 2019, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना –गृह विज्ञान की 23 वीं द्विवार्षिक कार्यशाला का समापन समारोह, सामुदायिक और व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एन.एस.राठौड़, उप महानिदेशक, (शिक्षा), आई.सी.ए. आर, नई दिल्ली थे। एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भ.क्र.अनु. प-केंद्रीय कृषि रथ महिला संस्थान, भुवनेश्वर, डॉ पी.सी. लंका और डॉ. प्रबिनि कुमार इस अवसर के विशिष्ट अतिथि थे। समारोह के प्रारम्भ में महाविद्यालय की अधिष्ठाता, प्रो रितु सिंघवी ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं इस युग का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने इस कार्यशाला के तीन प्रमुख पहलुओं की सराहना की। गुणवत्तापूर्ण प्रस्तुति, पारस्परिक विचारविमर्श और दूरदृष्टिता। उन्होंने एकीकृत की अपेक्षा समेकित कार्यशैली पर जोर दिया।

प्रो. अभय कुमार मेहता, निदेशक अनुसंधान ने अपने अनुबोधन में कहा कि एमपीयूएटी उदयपुर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की कुल 37 इकाइयां हैं जो अपने आप में गर्व की बात हैं। गृह विज्ञान में क्षेत्र विशेष अनुसंधान के साथ-साथ तकनीकी दृश्यता की भी आवश्यकता है।

कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सुमन सिंह ने बताया कि गृह विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित कुल पांच तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमें संबंधित विभाग के तकनीकी समन्वयकों ने देश के विभिन्न केंद्रों में किए गए शोध कार्य प्रस्तुत किए। गृह विज्ञान विषय में शोध के लिए आगे बढ़ने के बारे में वैज्ञानिकों के बीच चर्चा हुई।

कार्यशाला की अनुशंसाए निम्न आई ..

1. प्रोटोटाइप नींबू कटाई यन्त्र विकसित करने की आवश्यकता है।
2. बिक्री योग्य तकनीकियों की पहचान करने की आवश्यकता है।
3. व्यावसायीकरण के लिए मान्य तकनीकों को राष्ट्रीय मेलों में प्रदर्शित किया जाना चाहिए।
4. फार्म डिवीजन के मौजूदा मोबाइल ऐप, आईसीएआर को फार्म महिलाओं द्वारा उपयोग किए जाने के लिए बढ़ावा देने की जरूरत है।
5. भा.क्र.अनु.प्र-भारतीय कृषि प्रणाली अनुसन्धान संस्थान, मोदीनगर में उपलब्ध विभिन्न समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल को क्षेत्र आधारित परिस्थितियों के अनुरूप काम में लिया जा सकता है।
6. पारम्परिक कला के प्रलेखन की आवश्यकता है ।
7. पोषण सुरक्षा आजीविका सुरक्षा और विकसित उत्पादों के व्यावसायीकरण पर ध्यान देने की आवश्यकता है।
8. आदिवासी लोगों के प्रजनन स्वास्थ्य का ध्यान देने की आवश्यकता है ।
9. सामाजिक मुद्दों पर शैक्षिक किट तैयार करने की आवश्यकता है ।

प्रो. सुमन सिंह

आयोजन सचिव